पावन किशोरी जी

पावन किशोरी जी, तुम्हरे चरन ॥,
श्री चरनन में, दे दो शरण ॥

जिन चरनो में रहे, नंद नंदन ,
मस्तक धरो मेरे, करूँ मैं वन्दन ॥
अति सुखदाई, तारण तरण ॥,
श्री चरनन में, दे दो शरण ॥

चरन शरण बिन, मरना भी भारी,
हारा हूँ कर्मो से, तरना भी भारी ॥
भटकन मेरी अब, कर लो हरण ॥,
श्री चरनन में, दे दो शरण ॥

ब्रज रज़ माही, दे दो ठिकाना,
ब्रज में रज़ बन, रहूँ बरसाना ॥
करूँ रसिकन पग, धूलि धरण ॥,
श्री चरनन में, दे दो शरण ॥

तुम्हरे चरण, त्रिलोकी समाए,
गोपाली को, पागल बनाए ॥
तन मन धन, चरनन अर्पण ॥,
श्री चरनन में, दे दो शरण ॥
अपलोडर - अनिलरामूर्तीभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/18354/title/paavan-kishori-ji

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |